।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाषः 01565—224600,224900

ई—मेल : jstsdgh01565@gmail.com

सात्विक ज्ञान से पैदा होता है विश्व मैत्री का भाव — युवाचार्य महाश्रमण

—तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)—

श्रीडूँगरगढ़ 18 मार्च : युवाचार्य महाश्रमण ने गीता एवं उत्तराध्ययन के तुलनात्मक प्रवचन में कहा कि सात्विक ज्ञान से विश्व मैत्री का भाव पैदा होता है और राग से वीतरागता की तरफ कदम गतिमान होते हैं। सात्विक ज्ञान आध्यात्म का ज्ञान है। इसका ज्ञान होने पर व्यक्ति कल्याण पथ पर बढ़ता है। अध्यात्म का ज्ञान करने वाला सभी प्राणियों को अपने समान समझता है। सभी प्राणियों में चेतना की धारा प्रवाहित हो रही है इस रहस्य को जो समझ लेता है वह अहिंसा को जीने लग जाता है। उन्होंने कहा कि पूर्ण अहिंसा का पालन कर पाना प्रत्येक व्यक्ति के लिए संभव नहीं होता। साधु से भी कुछ जगहों पर द्रव्य हिंसा हो जाती है। जो अप्रमत रहता है उसके द्वारा अनजान में किसी जीव की मृत्यु हो जाती है तो वह हिंसा का भागीदार नहीं होता है और जो प्रमाद में रत रहता है उसके द्वारा जीव ने मरने पर भी हिंसा हो जाती है। जैन दर्शन में अहिंसा का बहुत सूक्ष्म विवेचन किया गया है। कटु वचनों के प्रयोग से भी हिंसा होती है।

इससे पूर्व प्रेक्षाध्यान शिविर में भाग लेने वाले प्रो. दिपेश मित्तल एवं डॉ. पुष्पा राठी ने अपने अनुभव सुनाये। प्रेक्षासाधक जीतमल ने शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

आचार्य महाप्रज्ञ ने दिये श्रावकों को अनेक संबोधन

आचार्य महाप्रज्ञ ने रिद्धकरण लूणिया की श्रद्धा भक्ति का उल्लेख करते हुए उन्हें ''श्रद्धानिष्ठश्रावक'' का संबोधन प्रदान किया। आचार्यप्रवर ने संपूर्ण लूणिया परिवार की सेवाओं की सराहना की। इसी अवसर पर आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने एस.एम.डागा को ''कल्याण मित्र'' संबोधन और तपोनिष्ठ श्राविका मुम्बई निवासी प्यारी बाई सिंघवी को एवं स्व. प्रतापबाई सिंघवी को श्रद्धा की प्रतिमूर्ति तथा प्रकाश सिंघवी, सुभाष बड़ाला को श्रद्धानिष्ठ श्रावक संबोधन प्रदान किया। ए.जी.गफुर को सर्वधर्म समवाही संबोधन प्रदान किया।

आईजी मीणा ने आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन किये

बीकानेर संभाग के पुलिस महानिरीक्षक मेघचंद मीणा ने आज उपरले तेरापंथ भवन पहुंचकर राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन किये। श्री मीणा तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा प्रायोजित नेत्र चिकित्सा शिविर के समापन समारोह में भाग लेने आये हुए थे। इस मौके पर जब उनकों अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की 355 शाखा परिषदों की कुल 55 हजार कार्यकर्ताओं के द्वारा समाज उत्थान और महिला सशस्त्रिकरण के क्षेत्र में सक्रियता से लगे होने की जानकारी मिली तो वे हर्षविभोर हो गये। उन्होने कहा आचार्य महाप्रज्ञ ऊर्जा के केन्द्र है। इनकी अनुशासना में ही महिलाएं अपनी शक्ति को पहचान सकती है। अखिल भारतीय तेरांपथ महिला मंडल की ट्रस्टी शांता पुगलिया, स्थानिय महिला मंडल की अध्यक्षा झिणकार देवी बोथरा, तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष के.एल जैन, उपस्थित थे। प्रवास व्यवस्था समिति के उपसंरक्षक रिद्धकरण लूणिया एवं तेयुप मंत्री रविन्द्र गोलछा ने आईजी मीणा का साहित्य भेंट कर सम्मान किया।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक